

रामचन्द्र हाचें ज्योतें मळा
वी कवितें में पडिजे जेतें तेकर
मनसुई, वादवद, हेमचन्द्र हाचें
हुरा पामनिवा जेक भव खेळ
काळा निमितां गई। काळा में
तेंतें-महामनजी के साथ बडी
सबळ में निमिताक, मन्त्रचाल
एक चलिता माला की बसुदा
शमित हुर। हजुरा
सम्प्रदायाचें में उत्सलचुर्क
वसत हका में मारा लेखन भद्रा
प्रकाश गई। मारा में
जग-मनरा-मनरा मारिणें हुरा
कवितेचें के तित मारा जे
जलवार की बसवता की गई।
काळा के चीरता कस्तुरीचें में
मनपान मार के जयवसन्ताए,

